भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +3095

सोमवार, 15 मार्च, 2021/24 फाल्गुन, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाकुंभ मेला, 2021

+3095. श्री डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महाकुंभ मेला, 2021 के दौरान पूरे विश्व से हरिद्वार में पवित्र स्थान के लिए कितने संतों और दर्शकों, आम श्रद्धालुओं, पर्यटकों और गणमान्य व्यक्तियों के आने की आशा है;

(ख) हरिद्वार में आयोजित किए जा रहे महाकुंभ मेला, 2021 हेतु मंत्रालय की ओर से किए गए योगदान का ब्यौरा क्या है तथा इस पर कितना व्यय होने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने महाकुंभ मेला, 2021 में भाग लेने वाले शिष्टमंडल के सदस्यों और विदेशी गणमान्य लोगों हेतु विशेष प्रबंध किए हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा महाकुंभ मेला, 2021 के दौरान सरकार द्वारा अन्य क्या कार्यक्रम आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है; और

(ड.) देश में संस्कृति के संरक्षण, सुरक्षा और प्रोत्साहन संबंधी नीति तथा इसके कार्यान्वयन के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ड.): महाकुंभ मेले 2021 के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं का आयोजन और समन्वयन उत्तराखंड की राज्य सरकार द्वारा किया गया है । पर्यटन मंत्रालय 'आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच)' तथा बाजार विकास सहायता सहित विदेशों में संवर्धन एवं प्रचार (ओपीएमडी) नामक अपनी योजनाओं के माध्यम से घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में संवर्धनात्मक कार्यकलाप करता है । इन योजनाओं के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के तहत एक संपूर्ण गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करता है। तथापि संवर्धन एवं विकास मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र की जिम्मेदारी है।

****